an>

Title: Need for timely release of funds for Pre-matric and Post-matric Merit-cum-Means Scholarships.

श्री बलभद्र माझी (नबरंगपुर): माननीय अध्यक्ष महोदया, माइनोरिटी, एससी, एसटी और गरीब तबकों के बच्चों की पढ़ाई के लिए प्री-मैट्रिक, पोस्ट मैट्रिक और मेरिट-कम-मीन्स स्कॉलरशिप की व्यवस्था सरकार ने की है, लेकिन देखा जा रहा है कि बच्चों को स्कॉलरशिप की राशि समय पर नहीं मिलती है। ओडिशा को वर्ष 2014-15 के लिए माइनोरिटी बच्चों को दी जाने वाली स्कॉलरशिप की राशि में से अभी भी 44,81,779 रुपये देने शेष हैं। वर्ष 2015-16 में पोस्ट-मैट्रिक स्कॉलरशिप के तहत 982 बच्चे बचे हुए हैं, मेरिट-कम-मीन्स में 284 बच्चे बचे हुए हैं। वर्ष 2014-15 में एसटी बच्चों की स्कॉलरशिप राशि 61 करोड़ 14 लाख रुपये बकी हुई है। वर्ष 2015-16 में 46 करोड़ 60 लाख रुपये बचे हुए हैं। ऐसे ही एससी बच्चों के लिए वर्ष 2014-15 में स्कॉलरशिप की राशि 121 करोड़ 17 लाख रुपये बकी हुई है। वर्ष 2015-16 के लिए 87 करोड़ 36 लाख रुपये बचे हुए हैं।

मेरा निवेदन है कि जिस मकसद से सरकार ने ये स्कॉलरशिप्स का प्रावधान किया है, यदि यह समय से नहीं मिलेगी, क्योंकि बहुत-से इंसीडेंट्स ऐसे हुए हैं कि बच्चे पढ़ाई छोड़ रहे हैं और कुछ बच्चों के सुसाइड का भी मामला सामने आया है, तो मकसद पूरा नहीं होगा। इसलिए जैसे ही एकेडमिक सेशन शुरू होता है, वैसे ही स्कॉलरशिप की राशि मिल जाए, तब तो फायदा होगा और जो राशियाँ बकी हुई हैं, वे तुरंत स्टेट गवर्नमेंट को देने की कृपा की जाए।

धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष : सर्वश्री

शरद त्रिपाठी,

रवीन्द्र कुमार जेना और

भैरो प्रसाद मिश्र को श्री बलभद्र माझी द्वारा उठाये गये विषय से संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।